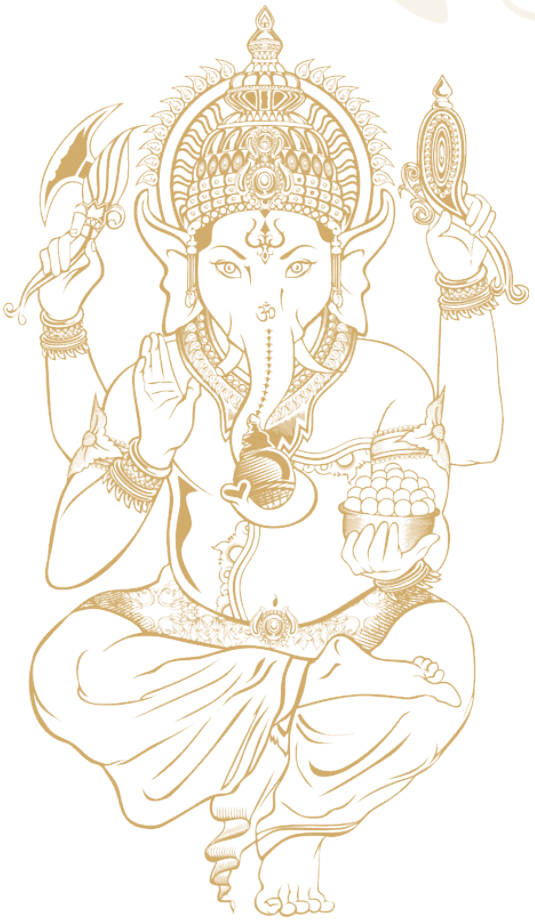

Mr US Mishra

11 Nov 1965

04:40 AM

Jaipur

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119775206

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
10-11/11/1965	जन्म तिथि	**11/11/2025**
बुध-गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 04:40:00	जन्म समय	13:48:28 घंटे
घटी 54:53:24	जन्म समय(घटी)	17:41:56 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Jaipur
उत्तर 26:53:00	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
पूर्व 75:50:00	रेखांश	75:50:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:42:38	सूर्योदय	06:43:41
17:37:54	सूर्यास्त	17:37:41
23:22:32	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:09

कन्या	लग्न	कुम्भ
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शनि
वृष	राशि	कर्क
शुक्र	राशि-स्वामी	चन्द्र
रोहिणी	नक्षत्र	पुष्य
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	शनि
3	चरण	4
परिघ	योग	शुक्ल
गर	करण	बव
वी-वीरसिंह	जन्म नामाक्षर	डा-डाली
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
सर्प	योनि	मेष
मनुष्य	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	श्वान
60	गत/तत्कालिक वर्ष	61

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
चित्रा	2	27:18:12	कन्या			लग्न			कुंभ	09:58:09	1	शतभिषा
विशाखा	2	24:58:30	तुला			सूर्य			तुला	24:58:30	2	विशाखा
रोहिणी	3	17:44:03	वृष			चंद्र			कर्क	14:09:14	4	पुष्य
मूल	2	04:06:37	धनु			मंगल		अ	वृश्चि	10:40:38	3	अनुराधा
ज्येष्ठा	1	17:28:46	वृश्चि			बुध	व		वृश्चि	12:27:33	3	अनुराधा
आर्द्रा	1	07:07:31	मिथु	व		गुरु			कर्क	00:55:59	4	पुनर्वसु
मूल	4	12:01:34	धनु			शुक्र			तुला	11:17:46	2	स्वाति
शतभिषा	4	17:07:14	कुंभ	व		शनि	व		मीन	01:11:19	4	पू०भाद्रपद
रोहिणी	1	11:17:15	वृष			राहु	व		कुंभ	21:55:29	1	पू०भाद्रपद
अनुराधा	3	11:17:15	वृश्चि			केतु	व		सिंह	21:55:29	3	पू०फाल्गुनी
पू०फाल्गुनी	4	25:21:39	सिंह			मु			कन्या	27:18:12	2	चित्रा

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:09

लग्न-चलित

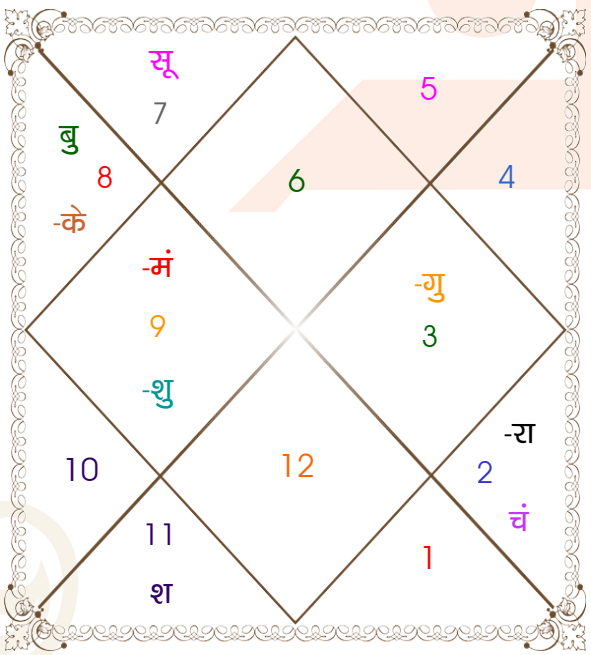

वर्ष लग्न कुंडली

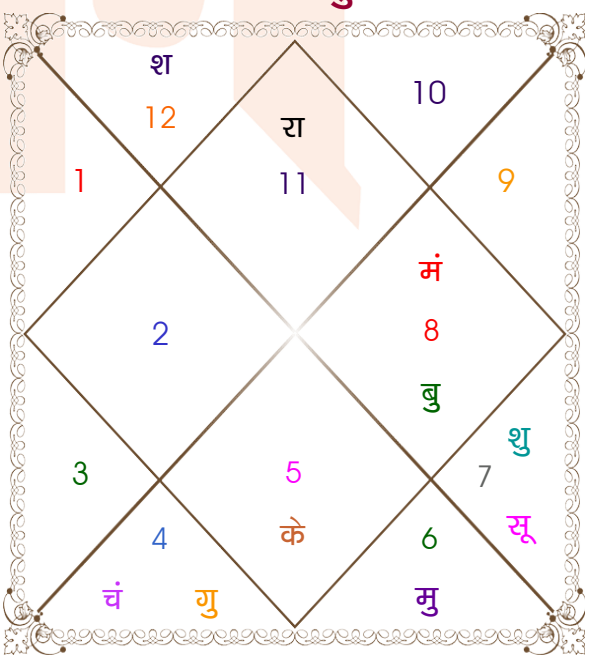

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - राहु - शनि	
26/06/2025 17:00	
08/12/2025 12:39	
शनि	22/07/2025 19:19
बुध	15/08/2025 03:42
केतु	24/08/2025 18:27
शुक्र	21/09/2025 05:43
सूर्य	29/09/2025 11:30
चंद्र	13/10/2025 05:08
मंगल	22/10/2025 19:53
राहु	16/11/2025 13:14
गुरु	08/12/2025 12:39

शनि - राहु - बुध	
08/12/2025 12:39	
04/05/2026 23:56	
बुध	29/12/2025 10:03
केतु	07/01/2026 00:31
शुक्र	31/01/2026 14:23
सूर्य	07/02/2026 23:21
चंद्र	20/02/2026 06:18
मंगल	28/02/2026 20:45
राहु	22/03/2026 23:39
गुरु	11/04/2026 15:33
शनि	04/05/2026 23:56

शनि - राहु - केतु	
04/05/2026 23:56	
04/07/2026 17:17	
केतु	08/05/2026 12:56
शुक्र	18/05/2026 15:50
सूर्य	21/05/2026 16:42
चंद्र	26/05/2026 18:09
मंगल	30/05/2026 07:09
राहु	08/06/2026 09:46
गुरु	16/06/2026 12:04
शनि	26/06/2026 02:49
बुध	04/07/2026 17:17

शनि - राहु - शुक्र	
04/07/2026 17:17	
25/12/2026 05:08	
शुक्र	02/08/2026 15:15
सूर्य	11/08/2026 07:27
चंद्र	25/08/2026 18:26
मंगल	04/09/2026 21:19
राहु	30/09/2026 21:54
गुरु	24/10/2026 01:05
शनि	20/11/2026 12:21
बुध	15/12/2026 02:14
केतु	25/12/2026 05:08

शनि - राहु - सूर्य	
25/12/2026 05:08	
15/02/2027 06:17	
सूर्य	27/12/2026 19:35
चंद्र	01/01/2027 03:41
मंगल	04/01/2027 04:33
राहु	11/01/2027 23:55
गुरु	18/01/2027 22:29
शनि	27/01/2027 04:16
बुध	03/02/2027 13:13
केतु	06/02/2027 14:05
शुक्र	15/02/2027 06:17

शनि - राहु - चंद्र	
15/02/2027 06:17	
13/05/2027 00:12	
चंद्र	22/02/2027 11:47
मंगल	27/02/2027 13:13
राहु	12/03/2027 13:31
गुरु	24/03/2027 03:06
शनि	06/04/2027 20:44
बुध	19/04/2027 03:41
केतु	24/04/2027 05:07
शुक्र	08/05/2027 16:07
सूर्य	13/05/2027 00:12

शनि - राहु - मंगल	
13/05/2027 00:12	
12/07/2027 17:33	
मंगल	16/05/2027 13:13
राहु	25/05/2027 15:49
गुरु	02/06/2027 18:08
शनि	12/06/2027 08:53
बुध	20/06/2027 23:20
केतु	24/06/2027 12:21
शुक्र	04/07/2027 15:14
सूर्य	07/07/2027 16:07
चंद्र	12/07/2027 17:33

शनि - गुरु - गुरु	
12/07/2027 17:33	
13/11/2027 02:31	
गुरु	29/07/2027 04:21
शनि	17/08/2027 17:10
बुध	04/09/2027 04:38
केतु	11/09/2027 09:22
शुक्र	01/10/2027 22:51
सूर्य	08/10/2027 02:54
चंद्र	18/10/2027 09:39
मंगल	25/10/2027 14:22
राहु	13/11/2027 02:31

शनि - गुरु - शनि	
13/11/2027 02:31	
07/04/2028 14:39	
शनि	06/12/2027 07:14
बुध	27/12/2027 01:21
केतु	04/01/2028 14:28
शुक्र	29/01/2028 00:29
सूर्य	05/02/2028 08:18
चंद्र	17/02/2028 13:18
मंगल	26/02/2028 02:25
राहु	19/03/2028 01:50
गुरु	07/04/2028 14:39

शनि - गुरु - बुध	
07/04/2028 14:39	
16/08/2028 16:40	
बुध	26/04/2028 04:20
केतु	03/05/2028 19:52
शुक्र	25/05/2028 16:12
सूर्य	01/06/2028 05:30
चंद्र	12/06/2028 03:40
मंगल	19/06/2028 19:11
राहु	09/07/2028 11:05
गुरु	26/07/2028 22:33
शनि	16/08/2028 16:40

शनि - गुरु - केतु	
16/08/2028 16:40	
09/10/2028 16:06	
केतु	19/08/2028 20:14
शुक्र	28/08/2028 20:09
सूर्य	31/08/2028 12:55
चंद्र	05/09/2028 00:52
मंगल	08/09/2028 04:26
राहु	16/09/2028 06:45
गुरु	23/09/2028 11:28
शनि	02/10/2028 00:35
बुध	09/10/2028 16:06

शनि - गुरु - शुक्र	
09/10/2028 16:06	
12/03/2029 21:18	
शुक्र	04/11/2028 08:58
सूर्य	12/11/2028 02:01
चंद्र	24/11/2028 22:27
मंगल	03/12/2028 22:21
राहु	27/12/2028 01:32
गुरु	16/01/2029 15:02
शनि	10/02/2029 01:03
बुध	03/03/2029 21:23
केतु	12/03/2029 21:18

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की प्राप्ति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी दयनीय रहेगी तथा मन में संताप से व्याकुलता की प्रबलता रहेगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको दुःखों की प्राप्ति होगी। इस समय संतति या स्त्री से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनसे आपको कष्ट की ही प्राप्ति होगी साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में भी न्यूनता रहेगी तथा सभी लोग आपको उपहास का पात्र समझेंगे तथा छोटी छोटी बातों पर आपकी हंसी उड़ाएंगे। मित्र वर्ग से भी इस वर्ष आपको कोई सहयोग या लाभ नहीं मिलेगा। इस समय निम्न श्रेणी की महिलाओं से आपको अत्यधिक हानि तथा कष्ट प्राप्त होगा अतः प्रयत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करें तथा इनसे सावधान रहें।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः आपको अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी अवन्नति की संभावना रहेगी अतः इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा समय समय पर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस वर्ष में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उनमें आपको असफलता ही प्राप्त होगी।अतः नवीन कार्यो को इस समय प्रारंभ न करें तथा धैर्य एवं शान्ति पूर्वक समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।